सखी बिनु राधा कान्हा कछु नाहीँ

सखी बिनु राधा, कान्हा कछु नाहीँ:

सखी बिनु राधा, कान्हा कछु नाहीँ,
मन अधीर बिकल अति विह्वल,
चितवत चंद चकोर की नाईं,
सखी बिनु राधा--------

श्री बिहीन राधा बिनु कान्हा,
जियँ गति जल बिनु मीन की नाई,
सखी बिनु राधा-------

कान्हा की गति, कान्हा ही जानें,
श्री राधे मोरे ह्रदय मोरे ह्रदय समाहीं,
सखी बिनु राधा,कान्हा कछु नाहीँ

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16580/title/sakhi-binu-radha-kanha-kuchu-naahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |